सतर्कता जागरूकता अभियान 2024 पर रिपोर्ट
दिनांक: 4 अक्टूबर, 2024
आईसीएफआरई-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित
जोरहाट- 785010, असम

सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि | **Theme of 2024:** | **Culture of Integrity for Nation's Prosperity**

तीन महीने तक चलने वाले सतर्कता जागरूकता अभियान (16 अगस्त से 15 नवंबर 2024) की प्रस्तावना के रूप में, 4 अक्टूबर 2024 को आईसीएफआरई-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान द्वारा दो व्याख्यान आयोजित किए गए थे। कार्यक्रम की शुरुआत आईसीएफआरई-आरएफआरआई द्वारा की गई विभिन्न पहलों के संक्षिप्त परिचय के साथ की गई थी, जो संस्थान के वैज्ञानिक-एफ और सतर्कता अधिकारी डॉ. ध्रुब जे. दास द्वारा दी गई थी। संगठन के भीतर सतर्कता जागरूकता अभियान की आवश्यकता के बारे में डॉ. दास द्वारा एक अंतर्दृष्टि प्रदान की गई थी। इसके बाद डॉ. राजीब कुमार बोरा, वैज्ञानिक-जी और अनुसंधान के समूह समन्वयक, आईसीएफआरई-आरएफआरआई द्वारा एक स्वागत भाषण दिया गया।

पहले व्याख्यान में, शीर्षक "सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि" था जो सतर्कता जागरूकता अभियान 2024 के एक थीम भी है, डॉ. ध्रुब जे. दास, सतर्कता अधिकारी, ने दर्शकों को PIDPI सहित भारत सरकार के विभिन्न नियमों और विनियमों के बारे में जानकारी दी। सतर्कता के सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य और अखंडता को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय समृद्धि में योगदान करने की क्षमता पर भी उनकी प्रस्तुति में जोर दिया गया।

दूसरी प्रस्तुति जोरहाट बार एसोसिएशन, जोरहाट की एडवोकेट सुश्री मानखी मेस द्वारा "भारत में पर्यावरण के संरक्षण के लिए कानूनी परिप्रेक्ष्य" विषय पर दिया गया एक विशेष आमंत्रित व्याख्यान था। पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित विभिन्न पर्यावरण कानूनों, संशोधनों और संबंधित संस्थानों का वर्णन एडवोकेट मेक द्वारा किया गया था। प्रस्तुति के दौरान इन-हाउस प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए संदेहों को आमंत्रित अतिथियों द्वारा एक चर्चा सत्र में स्पष्ट किया गया।

कार्यक्रम का समापन श्री किंशुक मोदक, वैज्ञानिक-सी, आईसीएफआरई-आरएफआरआई द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। पूरे कार्यक्रम का संचालन श्री प्रदीपेन राय, टीए, आईसीएफआरई-आरएफआरआई द्वारा अच्छी तरह से किया गया था। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, अधिकारियों, सहायक कर्मचारियों, अनुसंधान अध्येताओं सहित कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की झलक:

समूह समन्वयक द्वारा आमंत्रित अतिथि का सम्मान।

डॉ. ध्रुब जे. दास, सतर्कता अधिकारी द्वारा व्याख्यान।

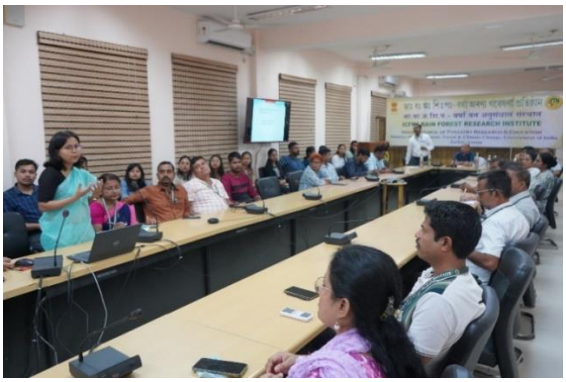

एडवोकेट सुश्री मानखी मेस द्वारा व्याख्यान।

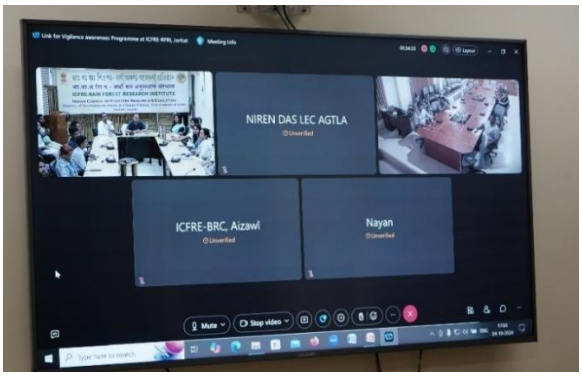

वर्चुअल मोड के माध्यम से भी प्रतिभागियों ने व्याख्यान में भाग लिया।

विशिष्ट अतिथि एडवोकेट सुश्री मानखी मेस को स्मृति चिन्ह सौंपते हुए।

वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

दर्शकों का एक हिस्सा।

श्री प्रदीपेन राय द्वारा कार्यक्रम संचालन करते हुए।